श्रीराम - वन्दन

नीलाम्बुजश्यामलकोमलाङ्ग। सीतासमारोपितवामभागम्।।

पाणौ महाशायकचारुचापं। नमामि रामं रघुवंशनाथम्।।

।। भगवान जानकी नाथ आरती ।।

जय जानकिनाथा, जय श्रीरघुनाथा

दोउ कर जोरें बिनवौं प्रभु ! सुनिये बाता।

तुम रघुनाथ हमारे प्रान , पिता माता

तुम ही सज्जन - संगी भक्ति - मुक्ति – दाता।। जय ....

लख चौरासी काटो मेटो यम - त्रासा

निसदिन प्रभु मोहि राखिये अपने ही पासा ।। जय...

राम भरत लछिमन सँग शत्रुहन भैया

जगमग ज्योति विराजै, सोभा अति लहिया।। जय ...

हनुमत नाद बजावत, नेवर झमकाता

स्वर्णथाल कर आरती कौसल्या माता।। जय ...

सुभग मुकुट सिर , धनु सर कर सोभा भारी

मनीराम दर्शन करि पल - पल बलिहारी।। जय...

www.totalbhakti.com